मानविकी विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

संस्कृत

एम 0 ए 0 द्वितीय वर्ष ,सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि..... **15 मई 2016**

कोर्स शीर्षक - सिद्धान्तकौमुदी , कारक एवं समास प्रकरण **कोर्स कोड - एमएएसएल 203**

प्रोग्राम कोड - एम. ए. एस. एल -12 **अधिकतम अंक - 40**

सत्र - 2015 - 16

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड ' क' में आठ प्रश्न दिये गये हैं। उनमें से किन्ही चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड ' ख ' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड ' क '

1. प्रातिपदिकार्थ को सूत्र द्वारा परिभाषित करें।
2. अकथितं च सूत्र की व्याख्या कीजिए।
3. साधकतमं करणं , की व्याख्या कीजिए ।
4. हरि: वैकुण्ठम् अधिशेते , इस प्रयोग की सिद्धि कीजिए।
5. जटाभिस्तापस: प्रयोग की सूत्रोल्लेख पूर्वक सिद्धि कीजिए।
6. अपादान कारक को सूत्र सहित परिभाषित कीजिए।
7. कर्मणिद्वितीया क्या है? समझाइये।
8. समास कितने हैं ,लक्षण सहित उल्लेख कीजिए।

खण्ड 'ख'

1. सकर्मक और अकर्मक को विस्तार से समझाइये ।
2. भू धातु लोट लकार प्रथम पुरूष के सभी रूपों की सिद्धि कीजिए।
3. श्रु धातु वर्तमानकाल प्रथम पुरूष के सभी रूपों की सिद्धि कीजिए।
4. तत्पुरूष समास के किन्हीं चार उदाहरणों की सूत्रोल्लेख पूर्वक सिद्धि कीजिए।